एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 09 (सितम्बर, 2026)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

बारिश के मौसम में कुत्तों के त्वचा रोग: कारण, पहचान और बचाव

अंशिका सिंह[1] एवं *निर्भय भावसार[2]

[1]बी.वी.एससी. एवं ए.एच.,पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

[2]एम.वी. एससी.–प्रसार शिक्षा विभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत

*संवादी लेखक का ईमेल पता: drnirbhaybhawsar@gmail.com

बारिश का मौसम इंसानों के साथ-साथ पालतू पशुओं के लिए भी कई स्वास्थ्य समस्याएँ लेकर आता है। लगातार नमी, गीला वातावरण, कीचड़ और लंबे समय तक गीले बालों में रहने के कारण कुत्तों में त्वचा संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। मानसून के दौरान नमी और गीलेपन के कारण त्वचा पर बैक्टीरिया और फफूंद की अधिक वृद्धि हो सकती है। कुत्ते में बार-बार खुजली करना, शरीर को चाटना, बाल झड़ना, त्वचा लाल होना या बदबू आना केवल सामान्य परेशानी नहीं हो सकती, बल्कि किसी त्वचा रोग का संकेत हो सकती है। इसलिए बारिश के मौसम में कुत्ते की त्वचा और बालों की नियमित देखभाल बहुत जरूरी है।

बारिश में त्वचा रोग क्यों बढ़ते हैं?

बारिश के मौसम में वातावरण में नमी और आर्द्रता बढ़ जाती है। यदि कुत्ते के बाल लंबे समय तक गीले रहें, तो त्वचा पर ऐसा वातावरण बन सकता है जिसमें बैक्टीरिया और फफूंद आसानी से बढ़ सकें। शरीर की त्वचा की सिलवटें, पंजों के बीच की जगह, गर्दन और बगल जैसे हिस्से विशेष रूप से नमी को रोक सकते हैं और संक्रमण के लिए अनुकूल बन सकते हैं। इसके अलावा बारिश में कुत्तों का कीचड़, गंदे पानी और नम जमीन के संपर्क में आना भी त्वचा की समस्याओं को बढ़ा सकता है। पहले से एलर्जी, परजीवी या त्वचा की दूसरी बीमारी से पीड़ित कुत्तों में संक्रमण और अधिक गंभीर हो सकता है।

1. फंगल संक्रमण या दाद- बारिश के मौसम में कुत्तों में दिखाई देने वाली महत्वपूर्ण त्वचा समस्याओं में फंगल संक्रमण (Dermatophytosis) भी शामिल है। इसे आम भाषा में दाद कहा जाता है। इसमें त्वचा पर गोल या अनियमित आकार के बाल रहित क्षेत्र, पपड़ी, लालिमा और खुजली दिखाई दे सकती है। यह संक्रमण केवल कुत्ते तक सीमित नहीं रहता। कुछ प्रकार के फंगल संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकते हैं, इसलिए प्रभावित पशु के संपर्क में रहने वाले लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए।

2. बैक्टीरियल त्वचा संक्रमण- नमी और गंदगी के कारण कुत्तों में पायोडर्मा (Pyoderma) यानी बैक्टीरियल त्वचा संक्रमण की समस्या भी हो सकती है। इसमें त्वचा पर लाल दाने, छोटे-छोटे फोड़े, पपड़ी, बाल झड़ना और खुजली दिखाई दे सकती है। गंभीर संक्रमण में दर्द, दुर्गंध, सूजन तथा खून या मवाद जैसा स्राव भी हो सकता है। कई बार बैक्टीरियल संक्रमण किसी दूसरी समस्या, जैसे एलर्जी, पिस्सू या अन्य परजीवी संक्रमण के बाद द्वितीयक रूप से विकसित होता है। इसलिए केवल संक्रमण का इलाज करना ही पर्याप्त नहीं होता मूल कारण की पहचान भी आवश्यक हो सकती है।

3. पंजों के बीच संक्रमण- बारिश में गीली जमीन और कीचड़ के संपर्क के कारण कुत्ते के पंजों के बीच की त्वचा लगातार नम रह सकती है। इससे इंटरडिजिटल संक्रमण और फोड़े (Interdigital furunculosis) जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। ऐसे में कुत्ता बार-बार अपने पंजों को चाट सकता है, चलने में दर्द महसूस कर सकता है और पंजों के बीच लालिमा, सूजन या गांठ दिखाई दे सकती है।

4. खुजली और त्वचा की एलर्जी- बारिश के दौरान त्वचा संबंधी परेशानी का एक कारण केवल संक्रमण ही नहीं होता। पिस्सू, एलर्जी और अन्य बाहरी परजीवी भी खुजली और त्वचा की सूजन को बढ़ा सकते हैं। लगातार खुजली करने और शरीर को चाटने से त्वचा पर चोट लग सकती है, जिसके बाद बैक्टीरियल संक्रमण विकसित हो सकता है। इसलिए यदि कुत्ता लगातार खुजली कर रहा है, तो केवल खुजली रोकने की दवा देना पर्याप्त नहीं हो सकता। पशु चिकित्सक को मूल कारण की जांच करनी चाहिए।

किन लक्षणों को नजरअंदाज न करें?- बारिश के मौसम में यदि कुत्ते में निम्न लक्षण दिखाई दें तो पशु चिकित्सक से सलाह लेना उचित है—

- लगातार खुजली करना या शरीर को चाटना
- बालों का असामान्य रूप से झड़ना
- त्वचा पर लाल चकत्ते या गोल बाल रहित क्षेत्र
- पपड़ी या छोटे-छोटे दाने
- त्वचा से दुर्गंध आना
- त्वचा पर घाव या फोड़े
- पंजों के बीच सूजन या दर्द
- त्वचा से मवाद या अन्य स्राव निकलना
- कानों या त्वचा पर बार-बार संक्रमण होना

बारिश में कुत्ते की त्वचा को कैसे स्वस्थ रखें?

बारिश के मौसम में कुछ छोटी-छोटी सावधानियाँ त्वचा रोगों के जोखिम को कम करने में काफी मदद कर सकती हैं। **सबसे पहले कुत्ते को बारिश में भीगने के बाद अच्छी तरह सुखाएँ।** विशेष रूप से पंजों के बीच, बगल, गर्दन, पेट और त्वचा की सिलवटों पर ध्यान दें। गीले बालों को लंबे समय तक ऐसे ही छोड़ना उचित नहीं है।

कुत्ते के रहने की जगह को **सूखा और साफ** रखें। गीला बिस्तर, गंदे कपड़े और नम फर्श त्वचा की समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। नियमित ग्रूमिंग से बालों में जमा गंदगी और नमी को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

कुत्ते को कीचड़ या गंदे पानी में अनावश्यक रूप से जाने से रोकें और बाहर से आने के बाद पंजों तथा शरीर की सफाई करें। यदि कुत्ते में पिस्सू या अन्य परजीवी हैं, तो पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार उनका नियंत्रण करें।

हर खुजली का इलाज एक जैसा नहीं होता

यह बात विशेष रूप से याद रखने योग्य है कि **हर त्वचा रोग फंगल संक्रमण नहीं होता।** खुजली और बाल झड़ने के पीछे फंगल संक्रमण के अलावा बैक्टीरियल संक्रमण, पिस्सू, एलर्जी, माइट्स और अन्य कारण भी हो सकते हैं। इसलिए बिना जांच के बार-बार एंटीफंगल, एंटीबायोटिक या स्टेरॉयड का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। सही कारण की पहचान होने के बाद ही पशु चिकित्सक उचित उपचार तय कर सकता है।

क्या फंगल संक्रमण इंसानों में भी फैल सकता है?

कुछ फंगल त्वचा संक्रमण, विशेष रूप से **डर्माटोफाइटोसिस**, कुत्तों से मनुष्यों में फैल सकते हैं। इसलिए यदि कुत्ते में दाद जैसे गोल बाल रहित चकत्ते या पपड़ीदार घाव दिखाई दें, तो बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को प्रभावित क्षेत्र के सीधे संपर्क से बचाना चाहिए तथा पशु चिकित्सक से जांच करवानी चाहिए।

निष्कर्ष

बारिश का मौसम कुत्तों के लिए केवल भीगने और ठंड लगने का मौसम नहीं है, बल्कि त्वचा की समस्याओं के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरतने का समय भी है। नमी, गीले बाल, गंदगी, परजीवी और पहले से मौजूद एलर्जी या त्वचा रोग मिलकर समस्या को बढ़ा सकते हैं। इसलिए बारिश में अपने कुत्ते को सूखा रखें, साफ रखें, नियमित रूप से उसकी त्वचा और पंजों की जांच करें और असामान्य खुजली, बाल झड़ने या घाव को नजरअंदाज न करें। समय पर पशु चिकित्सकीय जांच न केवल कुत्ते को लंबे समय तक त्वचा रोग से बचा सकती है, बल्कि कुछ संक्रामक रोगों से परिवार के सदस्यों की सुरक्षा में भी मदद कर सकती है।